विषय-सूची

प्रथम अध्याय (वैदिक गान) :

देवताओं का आश्रय 'साम'—साम की अन्वर्थता १; वैदिक संगीत से लौकिक संगीत की ओर ३; नाट्य में संगीत ४; महाकवि और संगीत ५; आचार्य और संगीत ६; ध्रुवा और प्रबन्ध ६; ध्रुवालक्षण ९; प्रकरणगीत ९; सप्तरूप और सप्तगीत में प्रयोज्य अंग १०; नाट्य में ध्रुवा का ग्रहण और उसके कारण १४; नाद की व्यंजकता, अवाचक गीत (स्वर-सन्निवेश) की व्यंजकता और रसोद्बोधकता १४; ध्रुवा-विकल्प में कारण, ध्रुवायोजन में ध्यान देने योग्य तत्त्व १६; नाट्य में पंचविध ध्रुवा-गान १६; ध्रुवा के नामगत छह भेद १८; प्रबन्ध २०; प्रबन्ध के छह अंग २२; प्रबन्धों की जातियाँ २३; प्रबन्धों की विविधता २५; एला-प्रबन्ध का सामान्य लक्षण २५; प्रबन्ध के सोलह पदों में प्राणों की योजना २८; गद्य-प्रबन्ध और उसकी विशेषताएँ ३१; प्रबन्ध-प्रयोज्य भाषाएँ ३४; यमक-प्रयोगयुक्त प्रबन्ध ३४; सालग-सूड-प्रबन्धों के सात भेद ३५; ध्रुव-प्रबन्धों के सोलह भेद ३६; ध्रुवपद ३८ ।

द्वितीय अध्याय (संगीत की अनादि परम्परा का उच्छेद और उसके कारण) :

महमूद गजनवी और मुहम्मद गोरी के आक्रमण ३९-४०; बलबन ४३; कैकुबाद ४४; जलालुद्दीन खिलजी, अलाउद्दीन खिलजी ४५; कुतुबुद्दीन खिलजी ४७; खुसरो खाँ ४७; गयासुद्दीन तुगलक, मुहम्मद तुगलक ४९; फिरोज तुगलक ५०; चिश्ती-परम्परा और संगीत ५१; निजामुद्दीन चिश्ती और खुसरो ६६; निजामुद्दीन और संगीत ६९; खुसरो और तत्कालीन परिस्थितियाँ ७३; इन्द्रप्रस्थ-मत के उद्गम और प्रसार का कारण ७९; भारतीय रागों के वर्गीकरण का मुस्लिम-आधार ८१; बंगाल और बिहार में शेख निजामुद्दीन चिश्ती के खलीफा ८९; दक्षिण में शेख निजामुद्दीन चिश्ती के खलीफा ९१; शेख निजामुद्दीन चिश्ती का भक्त बहमनी-साम्राज्य ९२; खुसरो की पद्धति से प्रभावित विजयनगर-साम्राज्य ९७; दक्षिण के संगीत पर मुस्लिम-प्रभाव १०० ।

तृतीय अध्याय (ध्रुवपदकारों का आश्रयदाता) :

गीतों में अलाउद्दीन खिलजी १०३; हुसेनशाह शर्की १०३; मानसिंह तोमर १०४; सुलतान मुजफ्फर गुजराती १०५; सुलतान बहादुरशाह गुजराती १०५; इस्लामशाह सूर १०६; मोहम्मद आदिलशाह अदली १०६; दौलत खाँ १०७; बाजबहादुर १०८; ध्रुवपदों में राजा रामचन्द्र बघेला १११; मधुकरशाह ११३; बैरम खाँ खानखाना ११३; अकबर ११४; जहाँगीर १२१; जहाँगीरकालीन अन्य आश्रयदाता १२३; शाहजहाँ १२४; समकालीन आश्रयदाता १२७; दक्षिण में ध्रुवपद का

प्रभाव १३०; औरंगजेब १३३; समकालीन आश्रयदाता १३८; आजम १४०; वेदार बख्त १४२; बहादुरशाह प्रथम १४३; जहाँदारशाह १४५; मुहम्मदशाह रँगीला १४६; समकालीन आश्रयदाता १५०; आलमगीर द्वितीय १५१; समकालीन आश्रयदाता १५२; शाह आलम १५७; चेतसिंह १५४; राजा छत्रसिंह १५५; महाराजा जगतसिंह १५७; रतनसिंह १५७; प्रतापसिंह 'ब्रजनिधि' १५८; विक्रमसाह १५९; अज्ञातपरिचय आश्रयदाता १५९ ।

चतुर्थ अध्याय (मानसिंह तोमर और उसकी परम्परा) :

मानसिंह तोमर के समकालीन संगीतानुरागी नरेश १६१; तोमरों का उत्थान और पतन १६३; मानसिंह तोमर के विचार १६७; मानकुतूहल की विषयवस्तु १६८; गीत-रचना १६९; मानसिंह तोमर की परम्परा और विभिन्न दरबार १७० ।

पंचम अध्याय (ब्रजभाषा के ध्रुवपदकार) :

गोपाल नायक १७८; बैजू १८२; बख्शू १८५; तानसेन १८७; बाबा रामदास २१३; व्यास २१४; चंचलसस २१५; सुरज्ञान खाँ २१५; ज्ञानगुरु २१६; धौंधू २१६; चरजू २१७; रूपमती २१७; लाल २१७; गंग २१८; हरिदास डागुर २१८; तानतरंग खाँ २२०; सूरदास (गायक) २२१; जगन्नाथ कविराय २२२; शेख बहाउद्दीन २२३; शेख पीर मोहम्मद २२३; स्वामी हरिदासजी २२५; खुशहाल खाँ कलावन्त २२८; सवादखाँ ढारी २२९; किशनसेन नायक अफजल २२९; गुलाम मुहीउद्दीन २३०; किशन खाँ कलावन्त २३०; सालिम खाँ डागुर २३०; कसबकुव्वत ढारी २३०; पूजा २३०; रहीमदाद ढारी २३१; मुहम्मद बाकी २३१; मियाँ डालू ढारी २३१; मधुनायक २३१; बिसरामखाँ २३२; मिसरीखाँ ढारी २३३; भूपत २३२; रसबैनखाँ २३२; नायक पूरन २३२; मुबारक २३३; सदारंग (नेमत खाँ) २३३; अदारंग २३४; इंछाबरस २३५; प्रेमदास २३६; मनरंग २३६; शम्भु २३७; आलम २३७; देवीदत्त २३७; चेतसिंह राजबहादुर २३७; शेख मीर २३८; गुलाब २३९; कृष्णानन्द रागसागर २३९; मियाँ ज्ञानी २४१; अचपल २४१; कवि गोपाल २४१; अज्ञातपरिचय ध्रुवपदकार २४२ ।

षष्ठ अध्याय (ध्रुवपदों का शिल्प-विधान और साहित्यिक मूल्यांकन) :

ब्रजभाषा-ध्रुवपद की परिभाषाएँ, बानियाँ, धातुएँ और अंग २४४; वाग्गेयकारों की परम्परा और ध्रुवपद के विषयों का स्रोत २५२; स्तुति २५९; अलख २६१; इस्लाम-प्रशंसा २६१; वैराग्य २६२; गुरुमहिमा २६२; कृष्णसम्बन्धिनी रचनाएँ २६३; ऋतु-वर्णन २६५;; संगीत २६६; नख-शिख-वर्णन २६७; नेत्र-वर्णन २६९; नायकरूप-वर्णन २६९; दम्पती-केलि २७१; नायिका-भेद २७१; बैजू की रचनाएँ २७७; बख्शू की रचनाएँ २८०; गोपाल द्वितीय की रचनाएँ २८१; स्वामी हरिदासजी की रचनाएँ २८१; भगवन्त की रचनाएँ २८४; तानसेन की रचनाएँ २८४; बाबारामदास २८९; व्यास की रचनाएँ २८९;

चंचलसस की रचनाएँ २८६; सुरज्ञानखाँ की रचनाएँ २६०; ज्ञानगुरु २६१; मदनराय ढारी २६१; धौंधू २६२; चरजू २६२; रूपमती २६२; लाल २६३; गंग की रचनाएँ २६३; तानतरंग की रचनाएँ २६५; सूरदास की रचनाएँ २६६; विलासखाँ की रचनाएँ २६७; आनन्द प्रभु की रचनाएँ २६७; धीरज २६८; जगन्नाथ कविराय की रचनाएँ ३००; शेख बहाउद्दीन, पीरमोहम्मद ३०१; खुशहालखाँ कलावन्त की रचनाएँ ३०३; मियाँ डालू ढारी की रचनाएँ ३०५; मधुनायक की रचनाएँ ३०५; भूपत की रचनाएँ ३०६; रसबैनखाँ की रचनाएँ ३०६; मुबारक ३०७; सदारंग की रचनाएँ ३०७; अदारंग की रचनाएँ ३०८; इंछावरस की रचनाएँ ३०६; प्रेमदास की रचनाएँ ३१०; मनरंग की रचनाएँ ३११; सिम्भू, आलम, देवीदत्त और चेतसिंह राजबहादुर की रचनाएँ ३१२; शेख मीर ३१३; गुलाब की रचनाएँ; ३१३; कृष्णानन्द रागसागर की रचनाएँ; ३१४; मियाँ ज्ञानी अचपल और कवि गोपाल की रचनाएँ ३१५; अदारस, आदिनराइन, इस्करंग और खेमरसिक की रचनाएँ ३१६; जुगराजदास तानबरस और नूररंग की रचनाएँ ३१७; प्रेमरंग, महानादसेन, मुरसद, रामराय और लक्ष्मणदास की रचनाएँ ३१८; वंशीधर, सबरंग, साजन, वाणीविलास और रसनिधान की रचनाएँ ३२०; उपसंहार ३२०।

परिशिष्ट 'अ'

आश्रयदाताओं की मुद्रा से अंकित ध्रुवपद। ३२२।

परिशिष्ट 'आ'

ध्रुवपदकारों की मुद्रा से अंकित ध्रुवपद ३६७।